देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 19.01.2026
समय 7.20

मुख्य समाचार :–

- सचिव ग्राम्य विकास धीराज सिंह गर्ब्याल ने विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की, लंबित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करने के दिए निर्देश।
- चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने दून मेडिकल कालेज रैगिंग प्रकरण में जांच के निर्देश दिए।
- नंदा देवी राजजात यात्रा का आयोजन अब वर्ष 2027 में किया जाएगा।
- आसन वेटलैंड में एशियन वाटर बर्ड सेंसस 2026 संपन्न, जलीय पक्षियों की 126 प्रजातियां दर्ज की गई।

सचिव ने की समीक्षा

सचिव ग्राम्य विकास धीराज सिंह गर्ब्याल ने मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना, सीमांत क्षेत्र विकास कार्यक्रम एवं वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम से संबंधित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में जनपदों द्वारा स्वीकृति के लिए भेजी गई योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। सचिव ने निर्देश दिए कि विगत वर्ष की लंबित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए। प्रस्तावित योजनाओं की इकाई लागत विभागीय मानकों के अनुरूप ही निर्धारित की जाए, जिससे योजनाओं की दक्षता बढ़े और सरकारी संसाधनों का समुचित उपयोग सुनिश्चित हो। सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम एनएसक्यूएफ मानकों के अनुसार प्रस्तावित किए जाएं और कौशल विकास मंत्रालय द्वारा निर्धारित लागत मानकों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए। आवश्यकता होने पर विशेष विषयों पर प्रशिक्षण उद्यमशील योजना के माध्यम से संचालित किया जाए। उन्होंने ने सभी जनपदों को बेरोजगार युवाओं का डेटा सेवायोजन विभाग से एकत्र कर स्किल गैप एनालिसिस कराने के निर्देश दिए। ताकि युवाओं की आकांक्षाओं और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप रोजगार एवं स्वरोजगार परक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी, रिटेल सर्विसेज, सूचना प्रौद्योगिकी, हेल्थकेयर, इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक्स, कृषि, बागवानी एवं खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने को कहा।

रैगिंग प्रकरण की जांच

प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने राजकीय दून मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस छात्र के साथ हुए रैगिंग प्रकरण पर कॉलेज की प्राचार्या को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवश्यकता पड़ने पर अन्य छात्रों एवं संबंधित व्यक्तियों से भी पूछताछ करने को कहा, ताकि सही तथ्य सामने आ सकें और दोषियों के विरुद्ध ऐसी कार्रवाई की जा सके जो भविष्य

के लिए नजीर बने। डॉ रावत ने रैगिंग जैसी घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षण संस्थानों में रैगिंग की घटनाएं संस्थागत अनुशासन एवं व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। उन्होंने कॉलेज प्रशासन को रैगिंग की रोकथाम के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुरूप सभी आवश्यक एवं प्रभावी कदम उठाने को कहा।

नंदा देवी राजजात

उत्तराखंड की सबसे लंबी और कठिन पैदल धार्मिक यात्रा 'नंदा देवी राजजात यात्रा' 2026 को स्थगित कर दिया गया है। अब यह यात्रा अगले साल 2027 में आयोजित की जाएगी। इसकी जानकारी नंदा देवी राजजात यात्रा समिति से जुड़े पदाधिकारियों ने प्रेसवार्ता के दौरान दी। करीब 280 किलोमीटर लंबी यह यात्रा लगभग 20 दिनों तक चलती है, इस यात्रा को 'हिमालय का महाकुंभ' भी कहा जाता है। जिसकी अगुवाई चौसिंगा यानी चार सींग वाला खाडू करता है। नंदा देवी राजजात समिति के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुंवर ने बताया कि 'हिमालयी क्षेत्र में जरूरी कार्य समय पर पूरे नहीं हो पाए हैं। इसी कारण समिति ने राजजात यात्रा 2026 को स्थगित करने का निर्णय लिया है। अब 23 जनवरी को मनौती के दिन 2027 की घोषणा की जाएगी।

एथलेटिक्स मीट

सचिवालय एथलेटिक्स एवं फिटनेस क्लब द्वारा महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के गंगा एथलेटिक्स ग्राउंड में आठवीं सचिवालय वार्षिक एथलेटिक्स मीट का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 25 वर्ष से लेकर 75 वर्ष तक आयु के सचिवालय के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया गया।

एशियन वाटरबर्ड सेंसस 2026

एशियन वाटरबर्ड सेंसस 2026 का आयोजन देहरादून के विकासनगर स्थित आसन वेटलैंड में संपन्न हुआ। इस दौरान आसन वेटलैंड क्षेत्र में जलीय पक्षियों की 126 प्रजातियां दर्ज की गईं, जिनकी कुल संख्या 5 हजार 806 रही। इनमें छह प्रजातियां संकटग्रस्त अथवा निकट संकटग्रस्त श्रेणी की पाई गईं।

एशियन वाटरबर्ड सेंसस नागरिक विज्ञान आधारित अंतरराष्ट्रीय अभियान का हिस्सा है। सेंसस में पक्षी प्रेमियों, छात्रों, स्वयंसेवकों और वन विभाग के कार्मिकों ने सर्दियों के मौसम में प्रवासी और स्थानीय जलीय पक्षियों की निगरानी की। दर्ज की गई संकटग्रस्त प्रजातियों में स्टेप ईगल, इजिप्शियन वल्चर और पैलास फिश ईगल शामिल रहीं, जबकि कॉमन पोचार्ड को संवेदनशील श्रेणी में तथा फेरुगिनस डक, एशियन वूली नेक्ड स्टॉर्क और रिवर लैपविंग को निकट संकटग्रस्त श्रेणी में दर्ज किया गया।

सेंसस की प्रमुख उपलब्धियों में रुडी शेलडक की सर्वाधिक 983 संख्या दर्ज होना शामिल रहा। बार हेडेड गूज, ग्रेलैग गूज, कॉमन पोचार्ड और फेरुगिनस डक की मजबूत उपस्थिति ने असन वेटलैंड को प्रवासी जलपक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल के रूप में रेखांकित किया।

सेंसस में कुल 27 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें अनुभवी बर्डवाचर्स, स्थानीय गाइड और वन कर्मी शामिल रहे। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2026 में प्रजातियों की संख्या पिछले वर्षों के समान रही, जबकि पक्षियों की कुल संख्या में वृद्धि दर्ज की गई।

मानव–वन्यजीव संघर्ष/अवकाश

मानव–वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए नैनीताल के ज़िलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने धारी, ओखलकांडा और रामगढ़ विकासखंडों के स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित किया है। आदेश के अनुसार इन क्षेत्रों में आज से 21 जनवरी तक सभी शासकीय, अशासकीय, सहायता प्राप्त और निजी विद्यालयों के साथ–साथ आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहेंगे। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भौगोलिक परिस्थितियों और वन्य जीवों की गतिविधियों के कारण बच्चों की सुरक्षा को लेकर संभावित जोखिम बना हुआ है। ऐसे में एहतियातन यह निर्णय लिया गया है ताकि विद्यार्थियों और आंगनबाड़ी केंद्रों में आने वाले छोटे बच्चों की जान–माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। आदेश में वन विभाग, पुलिस विभाग और आपदा प्रबंधन को समन्वय बनाकर स्थिति पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। स्थिति सामान्य होने पर अगला आदेश जारी किया जाएगा।

लोकार्पण एवं शिलान्यास

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी विधानसभा क्षेत्र में 6 करोड़ 16 लाख की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनहित को सर्वोपरि रखते हुए मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। पेयजल, सड़क और नाली जैसे विकास कार्य आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सरकार प्रत्येक क्षेत्र के संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आंतरिक सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा

देहरादून जिले में संचालित इंटेंसिव केयर सेंटर अब शैक्षणिक शोध एवं सामाजिक अध्ययन का केंद्र भी बनता जा रहा है। इस इंटेंसिव केयर सेंटर में भिक्षावृत्ति से रेस्क्यू किए गए बच्चों का माइंड रिफॉर्मेशन कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। देश की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटियों के छात्र–छात्राएं यहां भ्रमण कर न केवल शोध कार्य कर रहे हैं, बल्कि बच्चों की हौसला अफजाई करते हुए उन्हें आगे बढ़ने

के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं। भिक्षावृत्ति, बालश्रम एवं कूड़ा बीनने जैसी परिस्थितियों से रेस्क्यू किए गए बच्चों को कंप्यूटर शिक्षा, संगीत, योग, खेलकूद एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। जिला प्रशासन भिक्षावृत्ति से रेस्क्यू किए गए 27 बच्चों को इंटेंसिव केयर सेंटर से विभिन्न विद्यालयों में प्रवेश दिला चुका। अब तक भिक्षावृत्ति, बालश्रम एवं कूड़ा बीनने में संलिप्त 267 बच्चों का सफल रेस्क्यू किया जा चुका है, जिनमें से 154 बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा गया है।